Result Mitra Daily Magazine

USA चुनाव एवं जलवायु परिवर्तन

✓ हालिया संदर्भ :

- इस वर्ष नवम्बर-दिसम्बर में USA में राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति का चुनाव होना है, जिसमें डेमोक्रेटिक पार्टी के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वाल्ज को जलवायु परिवर्तन समुदाय द्वारा खूब समर्थन दिया जा रहा है।
- अगर कमला हैरिस (डेमोक्रेटिक) राष्ट्रपति का चुनाव जीतती है, तो भावी प्रशासन में टिम वाल्ज की उपस्थिति अमेरिका को जलवायु वादों के प्रति प्रतिबद्ध रहकर कार्य करने की सुनिश्चितता प्रदान करेंगे।

✓ USA का हालिया प्रदर्शन :

- रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रति जलवायु समुदाय का विशेष समर्थन नहीं है, जिन्होंने 2016 में राष्ट्रपति बनते ही USA को पेरिस समझौते से बाहर निकाल लिया था।
- जो ब्रिटेन के शासनकाल में भी USA में जलवायु परिवर्तन संबंधी प्रदर्शन ज्यादा बेहतर नहीं रहा।
- तथ्य यह है कि पिछले तीन दशकों में जलवायु कारवाई पर USA का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है, लेकिन यह क्षमता या संसाधनों के कमी के कारण नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति है।

✓ टिम वाल्ज का रिकॉर्ड :

- मिनेसोटा (USA का राज्य) के 2 बार गवर्नर रह चुके वाल्ज ने मिनेसोटा को 2024 तक अपनी सारी बिजली गैर-जीवाश्म ईंधन स्त्रोतों से पूरी करने के लिये प्रतिबद्ध कर रखा है।
- उपरोक्त लक्ष्य को विधायी रूप दिया गया है, जिसमें जलवायु से संबंधित 40 अन्य पहलों को भी शामिल किया गया है, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहनों पर कर-छूट एवं चार्जिंग स्टेशनों के नेटवर्क के विस्तार की योजना भी शामिल है।
- इससे पूर्व 1993-2001 के बीच अल गोर ने राष्ट्रपति बिल-क्लिंटन के साथ उपराष्ट्रपति के रूप में 2 कार्यकाल पूरे किए थे, जिनके पास सर्वश्रेष्ठ जलवायु रिकॉर्ड था।
- अल गोर ने 2007 में जलवायु सक्रियता के लिये नोबेल पुरस्कार (शांति) जीता था।
- जलवायु कारवाई में USA के अन्य राज्य भी आगे हैं, जिसमें न्यूयॉर्क और ओरेगन ने भी 2040 तक 100% शुद्ध ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है।
- वास्तव में वाल्ज के रिकॉर्ड को डेमोक्रेटिक पार्टी डोनाल्ड ट्रंप पर बढत बनाने के लिये प्रयोग करना चाहती है, जो जलवायु संकट को महत्वविहीन मानते हैं।

✓ जलवायु संकट और USA :

- विश्लेषण बताते हैं कि अगर ट्रंप राष्ट्रपति बनते हैं, तो अगले 4 वर्षों सहित 2030 तक 4 बिलियन टन अतिरिक्त Co_2 का उत्सर्जन हो सकता है। हालांकि हैरिस के नेतृत्व में भी कुछ विशेष किए जाने की कल्पना करना अवास्तविक है।
- सच यह है कि जलवायु परिवर्तन पर जिम्मेदारी से कार्य करने में USA की विफलता ने ही 1.5^0C तापमान लक्ष्य को प्राप्त करना असंभव कर दिया है।
- USA ने केवल पेरिस समझौता (2015) से स्वयं को बाहर निकाल लिया बल्कि क्योटो प्रोटोकॉल (1997) का कभी समर्थन भी नहीं किया।

✓ USA द्वारा Co2 उत्सर्जन :

- USA का उत्सर्जन 1990 के स्तर के समान बना हुआ है, जो विकसित देशों के उत्सर्जन स्तर मापने का बेंचमार्क वर्ष है।
- USA ने गैर-वास्तविक प्रगति दिखाने के लिये 2005 को आधार वर्ष बना दिया, जिससे वर्तमान उत्सर्जन दर 17% कम है, लेकिन 1990-2005 के बीच USA द्वारा उत्सर्जन में 15% की वृद्धि की गई।

Result Mitra TM

✓ IRA प्रावधान :

- जलवायु कारवाई के लिये IRA (Inflation Reduction Act) एक सफल योजना है, जिसके तहत USA, 2030 तक 2005 की तुलना में उत्सर्जन में 50-52% कमी लाने के लिये प्रतिबद्ध है।
- सबसे हालिया IPCC रिपोर्ट से पता चलता है कि अगर दुनिया $1.5^{0}C$ लक्ष्य को प्राप्त करना संभव बनाए रखना चाहती है तो दुनिया को 2030 तक उत्सर्जन में न्यूनतम 43% की कटौती करना होगा।

✓ USA में निर्वाचक मंडल :

- USA में राष्ट्रपति/उपराष्ट्रपति का चुनाव निर्वाचक मंडल द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से किया जाता है।
- किसी विशिष्ट उम्मीदवार को वोट देने के बजाय लोग एक विशिष्ट पैनल को वोट देते हैं, जो किसी विशिष्ट उम्मीदवार को मतदान करने के लिये प्रतिबद्ध होते हैं।
- प्रत्येक राज्य के मतदाताओं (निर्वाचक मंडल पैनल) की संख्या राज्य के कांग्रेस के प्रतिनिधित्व के समान होती है।
- कानूनी तौर पर एक निर्वाचक मंडल उस राष्ट्रपति उम्मीदवार के अलावा भी किसी को वोट दे सकता है, जिसके लिये लोगों ने उन्हें वोट दिया था।

Result Mitra